आईआईएम में ईमानदारी: एक जीवनशैली विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षकों ने भ्रष्टाचार से लड़ने का संकल्प लिया

जागरुकता

रांची | प्रमुख संवाददाता

सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत आईआईएम रांची में शनिवार को ईमानदारी: एक जीवनशैली विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ ही ईमानदारी का संकल्प लिया।

साथ ही छात्रों के लिए वाग्मिता (एलोक्यूशन) प्रतियोगिता समेत कई गतिविधियों का आयोजन किया। इसका विषय था- भ्रष्टाचार उन्मूलन में शिक्षा को बढ़ावा देने की भूमिका। समापन समारोह में सीसीएल के महाप्रबंधक, सतर्कता विभाग सुशील कुमार सिंह और मुख्य प्रबंधक धीरज कुमार बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे।

प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुस्तक देकर सम्मानित किया गया।

सुशील कुमार सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार का समाज के सभी क्षेत्रों पर बुरा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने सभी व्यावसायिक मामलों में पारदर्शिता के महत्व पर जोर दिया। वहीं, धीरज कुमार ने कहा कि नैतिकता और भ्रष्टाचारमुक्त जीवनशैली का अध्ययन सभी व्यावसायिक स्कूलों में होना चाहिए। आईआईएम के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर पीके बाला ने जीवन के अभिन्न अंग के रूप में मूल्य प्रणालियों के महत्व का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे ईमानदारी का मार्ग सिर्फ एक सप्ताह तक ही सीमित नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार न सिर्फ उन लोगों के कारण फैलता है जो इसे बढ़ावा देते हैं, बल्कि हमारी अज्ञानता और शालीनता के कारण भी बढ़ता।

खास बातें

- भ्रष्टाचार का बुरा प्रभाव समाज के सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है, इसे निपटना जरूरी: सुशील
- भ्रष्टाचारमुक्त जीवनशैली का अध्ययन सभी व्यावसायिक स्कूलों में होना चाहिए

विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुस्तक भेंट किया

मौके पर वाग्मिता प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। साथ ही आईएमएम के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मियों ने जीवन के सभी क्षेत्र में ईमानदारी के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

Hindustan, 04.11.2019, Pg. 02 (Supl.)